वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2022

प्रिलिम्स के लिये:

वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2022, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन

मेन्स के लिये:

संवृद्धि और विकास, वैश्विक नवाचार सूचकांक 2022

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII), 2022** रैंकिंग में भारत 132 देशों में 40वें स्थान पर है।

- भारत 2021 में 46वें और 2015 में 81वें स्थान पर था।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ:

- **देशों की रैंकिंग:**
  - **सबसे नवाचारी अर्थव्यवस्था:**
    - वर्ष 2022 में स्विट्ज़रलैंड दुनिया की सबसे नवाचारी अर्थव्यवस्था है- लगातार 12वें वर्ष- इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम व नीदरलैंड का स्थान है।
    - चीन शीर्ष 10 के करीब है, जबकि **तुर्की और भारत पहली बार शीर्ष 40 में शामिल हुए** हैं।
  - **भारत का प्रदर्शन:**
    - **भारत निम्न मध्यम आय वर्ग में नवोन्मेषी नेतृत्त्वकर्ता** है।
    - यह ICT सेवाओं के निर्यात में दुनिया के नेतृत्त्वकर्ता के साथ अन्य संकेतकों में शीर्ष रैंकिंग में शामिल है, जिसमें उद्यम पूँजी प्राप्ति मूल्य, [स्टार्टअप] और स्केलअप के लिये वित्त, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातक, श्रम उत्पादकता वृद्धि तथा घरेलू उद्योग विविधीकरण शामिल हैं।
- **अनुसंधान एवं विकास व्यय में वृद्धि:**
  - शीर्ष वैश्विक कॉर्पोरेट R&D पर खर्च करने वालों ने अपने **R&D खर्च को वर्ष 2021 में लगभग 10% बढ़ाकर 900 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक कर दिया है जो महामारी से पहले वर्ष 2019 की तुलना में अधिक है।
- **वेंचर कैपिटल (VC) ग्रोथ:**
  - वर्ष 2021 में 46% के साथ इसमें बेहतरीन वृद्धि हुई है, वर्ष 1990 के दशक के बाद से यह रिकॉर्ड स्तर रहा है। लैटिन अमेरिका और कैरिबियन तथा अफ्रीकी क्षेत्रों में VC की सबसे अधिक वृद्धि देखी जा रही है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII):

- **परिचय:**
  - 'वैश्विक नवाचार सूचकांक' (GII) **देशों की क्षमता और नवाचार में सफलता के आधार पर तैयार किया जाने वाला एक वार्षिक सूचकांक** है।
  - बड़ी संख्या में देश GII का उपयोग अपने **नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का आकलन और सुधार करने** के लिये करते हैं तथा GII को आर्थिक योजनाओं एवं/या नीतियों में संदर्भ के रूप में उपयोग करते हैं।
  - **सतत [विकास लक्ष्यों (SDGs)]** के संबंध में नवाचार को मापने के लिये GII को **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद** द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं विकास के लिये नवाचार पर 2019 के संकल्प में एक आधिकारिक बेंचमार्क के रूप में मान्यता दी गई है।
- **सूचकांक के संकेतक:**
  - सूचकांक की गणना के मानकों में 'संस्थान', 'मानव पूंजी और अनुसंधान', 'आधारभूत ढाँचे', बाज़ार' संरचना', 'व्यापार संरचना', 'ज्ञान तथा

प्रौद्योगिकी आउटपुट' शामिल हैं।

- **2022 की थीम:** "नवाचार-संचालित विकास का भविष्य क्या है?"
- **दो नवीन नवाचारों का प्रभाव:** GII 2022 दो नवीन नवाचार के सकारात्मक प्रभावों को भी रेखांकित करता है, हालाँकि यह इस बात पर ज़ोर देता है कि इस तरह के प्रभावों को महसूस होने में कुछ समय लगेगा:
  - **सुपरकंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** और ऑटोमेशन पर निर्मित डिजिटल युग नवाचार।
  - **प्रभाव:** वैज्ञानिक अनुसंधान के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त उत्पादकता प्रभाव बनाना।
  - जैव प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी, नई सामग्री, और अन्य प्रौद्योगिकी सफलताओं पर निर्मित एक गहन विज्ञान नवाचार।
  - स्वास्थ्य, भोजन, पर्यावरण और गतिशीलता में क्रांतिकारी नवाचार (समाज के लिये महत्त्वपूर्ण चार क्षेत्र)।

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO):

- WIPO बौद्धिक संपदा (IP) **सेवाओं, नीति, सूचना और सहयोग के लिये वैश्विक मंच है।**
- यह 193 सदस्य देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र की एक स्व-वित्तपोषित एजेंसी है।
- इसका उद्देश्य संतुलित और प्रभावी **अंतर्राष्ट्रीय IP प्रणाली के विकास का नेतृत्व करना है** जो सभी के लाभ के लिये नवाचार एवं रचनात्मकता को सक्षम बनाता है।
- इसका जनादेश, शासी निकाय और प्रक्रियाएँ WIPO कन्वेंशन में निर्धारित की गई हैं, **जिसने वर्ष 1967 में WIPO की स्थापना की थी।**

भारत की संबंधित पहलें:

- **डिजिटल इंडिया:**
  - भारत ने वर्ष 2015 में **'डिजिटल इंडिया'** यात्रा शुरू की और अगले कुछ वर्षों में एक ट्रिलियन-डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित किया है।
  - डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग कई क्षेत्रों में किया जाता है, जिसमें GIS प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पूंजीगत संपत्तियों की मैपिंग और **एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI)** के माध्यम से भुगतान में क्रांतिकारी बदलाव शामिल हैं।
  - **वास्तव में वर्ष 2021 में वैश्विक वास्तविक समय डिजिटल लेनदेन का 40% भारत में हुआ।**
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020:**
  - नवाचार को और मज़बूत करने के लिये **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** पेश की गई जिसने ऊष्मायन एवं प्रौद्योगिकी विकास केंद्रों की स्थापना करके जानकारी को बढ़ावा दिया।
- **अटल टिंकरिंग लैब:**
  - 9000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स युवाओं को समाज की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करती हैं।
- **IPR में संरचनात्मक सुधार:**
  - भारत ने **बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)** व्यवस्था को मज़बूत करने के लिये संरचनात्मक सुधार किये हैं जिसमें IP कार्यालयों का **आधुनिकीकरण, कानूनी अनुपालन को कम करना और स्टार्ट-अप, महिला उद्यमियों, छोटे उद्योगों एवं अन्य के लिये IP फाइलिंग की सुविधा शामिल है।**
  - पेटेंट की घरेलू फाइलिंग में पिछले 5 वर्षों में 46% की वृद्धि दर्ज की गई है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-innovation-index-2022